Bihar Board Class 7 Social Science Geography Notes Chapter 6 हमारा पर्यावरण

पाठ का सार संक्षेप

हमारा पर्यावरण से मतलब है कि जो हमारे आस-पास है । अथवा जिन नैसर्गिक या मानवीय वस्तुओं से हम घिरे हैं वह हमारा पर्यावरण है । हमारा या हमारे पड़ोसी का घर, सड़क, गली, कुआँ, चापाकल, फूल-फुलवारी, बागीचा, सूर्य, सूर्य से आनेवाली किरणें, हवा, पानी सभी दृश्य और अदृश्य वस्तुएँ हमारे पयावरण के अंग हैं।

आज की स्थिति में, जबकि वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड गैस की मात्रा बढ़ रही 6, पेड़-पौधों का भी महत्व बढ़ गया है। हमें जहाँ तक हो सके फूल-पत्तियों और पेड़-पौधों में वृद्धि करते रहने की आवश्यकता है। हम ध्यान रखें कि कोई एक हरी पत्ती तक नहीं तोड़ें। हमें प्रण कर लेना चाहिए कि अपने जीवन में हम किसी खाली जमीन पर पाँच पेड़ अवश्य लगावें और उनकी देखभाल करें । अच्छी तरह पढ़ने के लिए हम पर्यावरण को दो भागों में बाँट सकते हैं:

1. प्राकृतिक पर्यावरण तथा-
2. मानव निर्मित पर्यावरण-

1. प्राकृतिक पर्यावरण –
(a) स्थल मंडल
(b) जल मंडल
(c) वायुमंडल तथा
(d) जैव मंडल

2. मानव निर्मित पर्यावरण-
(a) घर और भवन
(b) उद्योग-धंधे.
(c) सड़क
(d) पुल
(e) विभिन्न प्राचीन स्मारक
(f) बाग-बगीचे और पार्क

1. प्राकृतिक पर्यावरण-

(a) स्थल मंडल-स्थल मंडल में मकान, पेड़-पौधे, पहाड, पठार, मैदान विभिन्न खनिजों की खाने, खेत-खलिहान आदि मिलकर स्थल मंडल का निर्माण करते हैं।

(b) जलमंडल-सागर, महासागर, नदियाँ, तालाब, गड्ढे, कुआँ, चापाकल, झील आदि मिल कर जलमंडल का निर्माण करते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

(c) वायुमंडल-हम जानते हैं कि हम या हमारः वास स्थान पृथ्वी पूरी तरह वायु से घिरे हुए हैं। वायु की पाँच परते हैं । वायु अनेक गैसों का मिश्रण है ! ये सभी मिलकर वायुमंडल बनाते हैं।

(d) जैव मंडल-पृथ्वी पर पाये जाने या रहने वाले मनुष्य से लेकर छोटे-बड़े जंतु, नदी या तालाब में रहने वाले जीव, जैसे मछली, घोंघा, आदि । हवा में उड़ने वाले पक्षी, तोतली और विभिन्न प्रकार के कीड़े-मकोड़े जैव . मंडल के तहत आते हैं।

2. मानव निर्मित पर्यावरण-

(a) घर और भवन-पृथ्वी पर रहने के लिये घर और भवन बनते हैं,
इनके अलावा, ग्राम-पंचायत, दुकान, विभिन्न सरकारी-गैरसरकारी कार्यालय, अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र आदि घर और भवन के अंतर्गत आते हैं।

(b) उद्योग-धंधे-पृथ्वी पर छोटे-बड़े उद्योग चलते हैं । इन उद्योगों को चलाने के लिए, कोयला, डीजल या बिजली आदि ईंधन की आवश्यकता पड़ती है । इन ईंधनों को जलाने से वायुमंडल में अनेक हानिकारक गैसें निकलती हैं, जो हमारे पर्यावरण को कुप्रभावित करती हैं।

(c) सड़क-लोगों की यात्रा को सुगम बनाने के लिए सरकार अनेक प्रकार की सड़कें बनाती है । गाँव और शहरों में गलियाँ होती हैं । इन गलियों को भी चलने योग्य बनाया जाता है।

(d) पूल-सड़कों और नदी-नालों पर पुल और पुलिया बनाई जाती हैं। ये सब हमारे पर्यावरण के अंग हैं।।

(e) प्राचीन स्मारक-हमारे देश या राज्य में अनेक प्राचीन भवन स्मारक के रूप में अवस्थित हैं । इनकी देखभाल सरकार करती है ।

(f) बाग-बगीचे और पार्क-उद्यान-गाँवों में निजी बाग-बगीचों की भरमार है, लेकिन इतने पर भी जनसंख्या के हिसाब से ये पर्याप्त नहीं हैं। शहरों में नगर निगम या नगरपालिकाएँ पार्क और उद्यान लगवाती हैं । ये सब हमारे पर्यावरण के हिस्सा हैं । इन सबके अलावा दशहरा, दीवाली, छठ, ईद, होली, आदि त्योहार तथा शादी-विवाह निकाह आदि रिवाज भी हमारे पर्यावरण के अंग हैं।

हमें अपने पर्यावरण के सभी अंगों की रक्षा करनी चाहिए।

https://www.evidyarthi.in/